संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -266 शनिवार ,27 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का सत्ताईसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

असफाक के घर प्रतिदिन लग रही पैसे लेने वालों की भीड़...फिर भी नहीं मिल रहा पैसा:सूत्र

- » असफाक के घर पहुंचने वाले लोगों को पैसे की जगह मिल रहा आश्वासन व पैसे मिलने की अगली तारीख...
- » शिकायत से बचने असफाक दे रहा लोगों को पैसा देने का झूठा आश्वासन...
- » असफाक ने पत्रकार पर लगाए थे गंभीर आरोप...आज अखबार में छपी सारी खबरें हो रही सही...अखबार की खबर ने कइयों के पैसे डूबने से बचाए ...
- » डूबते को मिला एक प्रतिष्ठित अखबार का सहारा...क्या पत्रकार कहलाकर अब बचेंगे कार्यवाही से असफाक?
- » पिता के हज से लौटते ही पैसे मांगने वालों की लग रही भीड़...लेनदारों को मिला था पिता के हज से वापस लौट कर आने का समय...क्या वहां से लेकर आएंगे इतना पैसा कि सभी का हो जाएगा उद्धार?
- » क्या नगर सेठ असफाक अपना व्यापार छोड़कर अब 18 वार्ड में रोज सुबह बाटेंगे अखबार?
- » क्या असफाक के तर्ज पर संजीत व इरफान भी कर रहे पैसा दुगना करने का काम?
- » क्या असफाक को मिला संरक्षण...तो दो नंबर में पैसे दुगना करने का बड़ा व्यापार?

-रवि सिंह-

फोटो फाईल

अम्बिकापुर/रायपुर, 26 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। किसी ने ठीक ही कहा है जब-तक देश में बेवकूफ रहेंगे तब-तक होशियार भूखे नहीं मरने वाले। कुछ ऐसी ही स्थिति सूरजपुर जिले की कहानी में सटीक बैठता नजर आ रहा है जहां पर पैसा दुगना करने वाला असफाक आज लोगों को बेवकूफ बनाता दिख रहा है। 500 से अधिक लोगों का पैसा लेकर बैठा असफाक अब पैसे लौटाने में हो रहा फेल, पैसे देने के लिए लोगों को सिर्फ तारीख पर तारीख दी जा रही है पर पैसे लोगों को नहीं हो रहे वापस। असफाक के घरों में पैसे लेने वालों की लग रही लंबी कतार...बारी-बारी से समझा कर भेजा जा रहा लोगों को,ऐसा सूत्रों का कहना है। आज भी असफाक शिकायत से बचने के लिए देनदारों को गुमराह कर रहा है पर अपनी मीठी-मीठी बातों में फंसाकर निकलने का प्रयास कर रहा है वही ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जल्द से जल्द असफाक से पैसे लेने वालों का सब्र का बांध टूटेगा और वह पैसे लेने के लिए पुलिस की शरण में पहुंचेंगे, पर पुलिस की शरण में न पहुंचे इसके लिए असफाक लेनदारों को तारीख पर तारीख दिए जा रहा है। विशेष सूत्रों का यह भी कहना है कि पहले असफाक ने अपने पिता के हज से आने के बाद पैसे देने की बात कही थी जिस वजह से लोगों को उनके पिता का आने का इंतजार था। जहां पर सभी लोग हज से पहले वापस आ गए थे वहीं उनके पिता काफी विलंब से आए। जब आए तो लोगों को लगा कि अब पैसे मिल जाएंगे जिस वजह से लोग उनके घर के सामने पहुंच गए और पैसे लेने वालों की भीड़ लग गई पर सिर्फ भीड़ ही लगी पैसे नहीं मिले। वैसे माना यह भी जा रहा है कि पैसा दुगना करने के नाम पर जो राशि लोगों ली गई है उसे कहीं और निवेश कर दिया गया है और संभवतः जल्द ही यह लोग वहां पलायन कर सकते हैं जो देश या विदेश का कोई जगह हो सकता है यह सूत्रों का एक अंदाजा है।

आठ बैंकों में अशफाक उल्लाह का है बैंक खाता

सूत्रों का कहना असफाक के बैंक खातों की बात की जाए तो कुल आठ बैंको में असफाक उल्लाह का बैंक खाता है ऐसा सूत्रों का कहना है।वहीं इससे ज्यादा भी बैंक खाते हो सकते हैं इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता। आठ बैंको के बैंक खाते से जारी चेक ही वह उन लोगों को गारंटी बतौर प्रदान करता था जिनसे वह पैसा दुगना करने के नाम पर पैसा लेता था। सूत्रों के अनुसार यदि लोग अपने पैसे वापस पाने प्राप्त चेक को बैंको में प्रस्तुत करेंगे तो कुल आठ बैंको में अलग-अलग लोगों का चेक जमा होगा। देखा जाए तो अलग-अलग बैंकों में खाता खोलने का उद्देश्य भी एक तरह का षडयंत्र ही था जिससे ज्यादा से ज्यादा चेक बांटा जा सके और किसी को साथ ही बैंक को भी ज्यादा दिक्कत न हो चेक बुक प्रदान करने में। बैंक खाते भी केवल सूरजपुर जिले में ही नहीं हैं कोरिया सहित कई अन्य जिले के बैंकों में असफाक उल्लाह के बैंक खाते हैं।

कई चेक भी हुए बाउंस फिर भी पैसे डूबने के डर से लोग नहीं पहुंचे पुलिस के पास

सूत्रों की माने तो जिन्होंने भी असफाक के पास पैसे दुगना करने के लिए पैसा निवेश किया है उन्हें उसके द्वारा चेक प्रदान किया गया है जो एक गारंटी है उसकी तरफ से। जिन लोगों का जब-जब पैसा दुगना होने का समय होता है उस तिथि को असफाक उन्हें पैसा नकद लौटा देता था और चेक प्राप्त कर लेता था। यह सब-कुछ तब तक सही चलाता रहा जब-तक की लोग असफाक के पास पैसा दुगना होने के लालच में ज्यादा तादाद में आते रहे वहीं जब समाचार प्रकाशित होने लगा और लोग निवेश से बचने लगे तब असफाक को लोगों का पैसा लौटाना मुश्किल पड़ने लगा और तब वह नकद लौटा पाने में जब असमर्थ हुआ लोग उसके द्वारा दिया गया चेक लेकर बैंक पहुंचने लगे लेकिन वहां चेक बाउंस हो गया क्योंकि वहां भी पैसा उपलब्ध नहीं था उसके खाते में,लेकिन निवेश करने वाले चेक बाउंस होने के बाद भी शिकायत करने से बचते रहे बच रहे हैं क्योंकि उन्हें अब भी पैसे वापसी की उम्मीद है जो शायद उम्मीद ही रहने वाली है। देखा जाए तो लोगों का पैसा डूब चुका है और इसे वह जितनी जल्दी स्वीकार कर लें उतना ही उनके लिए बेहतर है। बैकुंठपुर के भी एक बैंक का चेक बाउंस हुआ है ऐसा सूत्रों का कहना है शिकायत केवल इस इंतजार में नहीं हो रही है कि आज नहीं तो कल असफाक पैसा लौटा देगा।

भले ही पुलिस के पास पहुंचने से लोग डर रहे हैं लेकिन पुलिस के अलावा और कोई नहीं दिला पाएगा उनका पैसा

असफाक के पास पैसा निवेश करने वाले पुलिस के पास शिकायत करने से बच रहे हैं क्योंकि उन्हे डर है कि ऐसे में उन्हें उनका पैसा वापस नहीं मिलेगा जबकि यदि देखा जाए तो उन्हें उनका पैसा पुलिस ही वापस दिला सकती है। असफाक के बारे में यदि सूत्रों से मिल रही जानकारी सही है तो अब वह पैसा वापसी के बिल्कुल भी इरादे में नहीं है। ऐसा नहीं है कि उसके पास पैसा नहीं है बस वह दुगना पैसा नहीं लौटा सकता जिस एवज में वह पैसा ले चुका है । लोगों से वहीं उसकी नीयत भी पैसा लौटने की नहीं थी यह भी बताया जा रहा है। पूरा व्यवसाय चिटफंड का था और अब उसका उद्देश्य पूरा हो गया है और वह कभी भी कहीं भी पलायन कर सकता है जिसकी तैयारी वह कर चुका है यह सूत्रों का कहना है। अब निवेश करने वाले यदि जल्द पुलिस से पास नहीं पहुंचते हैं तो उन्हें उनका पैसा कभी नहीं मिलने वाला यह कहना गलत नहीं होगा।

पुलिस के पास शिकायत पहुंचने में अभी भी झूठे आश्वासन का रोड़ा

पुलिस के पास अभी भी लोग इसलिए नहीं जा रहे हैं क्योंकि लोगों को असफाक का झूठा आश्वासन रोक रहा है पुलिस के पास जाने से। लोग असफाक उल्लाह के दिए गए तारीखों के झांसे में आकर अभी पुलिस के पास जाने में परहेज कर रहे हैं या कहा जाए तो उसका आश्वासन ही रोड़ा है शिकायत और उसके बीच। अब उसका आश्वासन कब तक उसे बचाता है यह भी देखने वाली बात होगी। वैसे सूत्रों की माने तो वह पैसा कहीं और निवेश करके फुर्र भी होने की फिराक में है जो देश या विदेश का कोई स्थान हो सकता है।

पैसा दुगना होने के लालच वाले से लेकर आलीशान शादी में खाना बनाने व टेंट लगाने वाले भी पैसे के लिए भटक रहे हैं

असफाक के पीछे पैसा दुगना होने की लालच में निवेश करने वाले भी भटक रहे हैं वहीं उसके शादी में खाना बनाने वाले से लेकर टेंट पंडाल का काम करने वाले भी भटक रहे हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि शादी घर का भी पैसा किराए का बाकी है। कुल मिलाकर अब असफाक के पीछे लेनदारों में निवेशक भी हैं वहीं उसके शादी में काम करने वाले भी हैं। किसका पैसा कब मिलेगा यह किसी को नहीं पता सभी के पास उसका दिया चेक है जो भंज पाएगा यह अभी तय नहीं है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

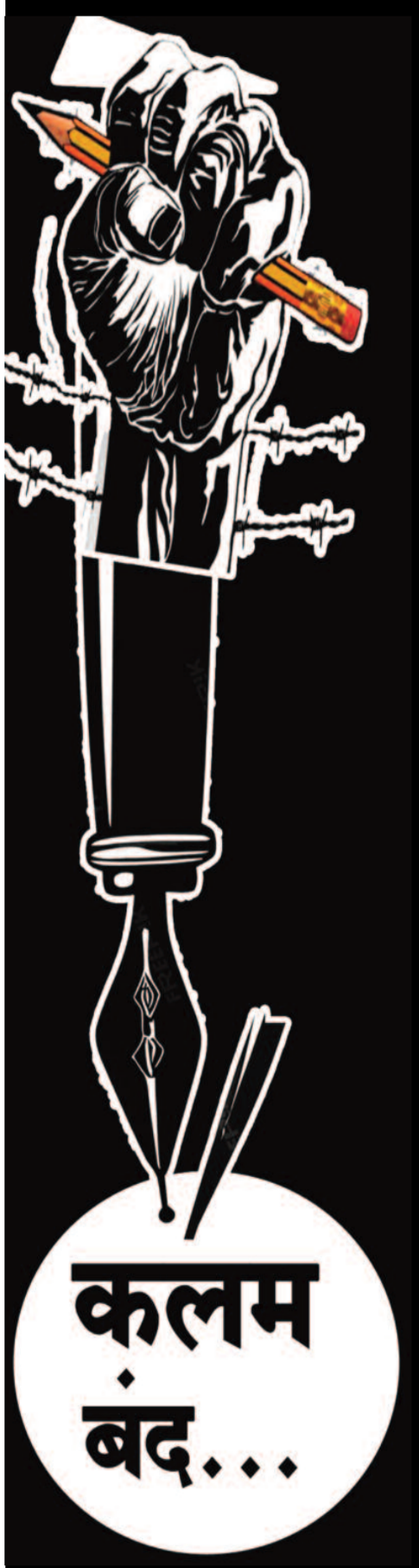

कलम बंद...का सत्ताईसवां दिन

कलम बंद...का सत्ताईसवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,26 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

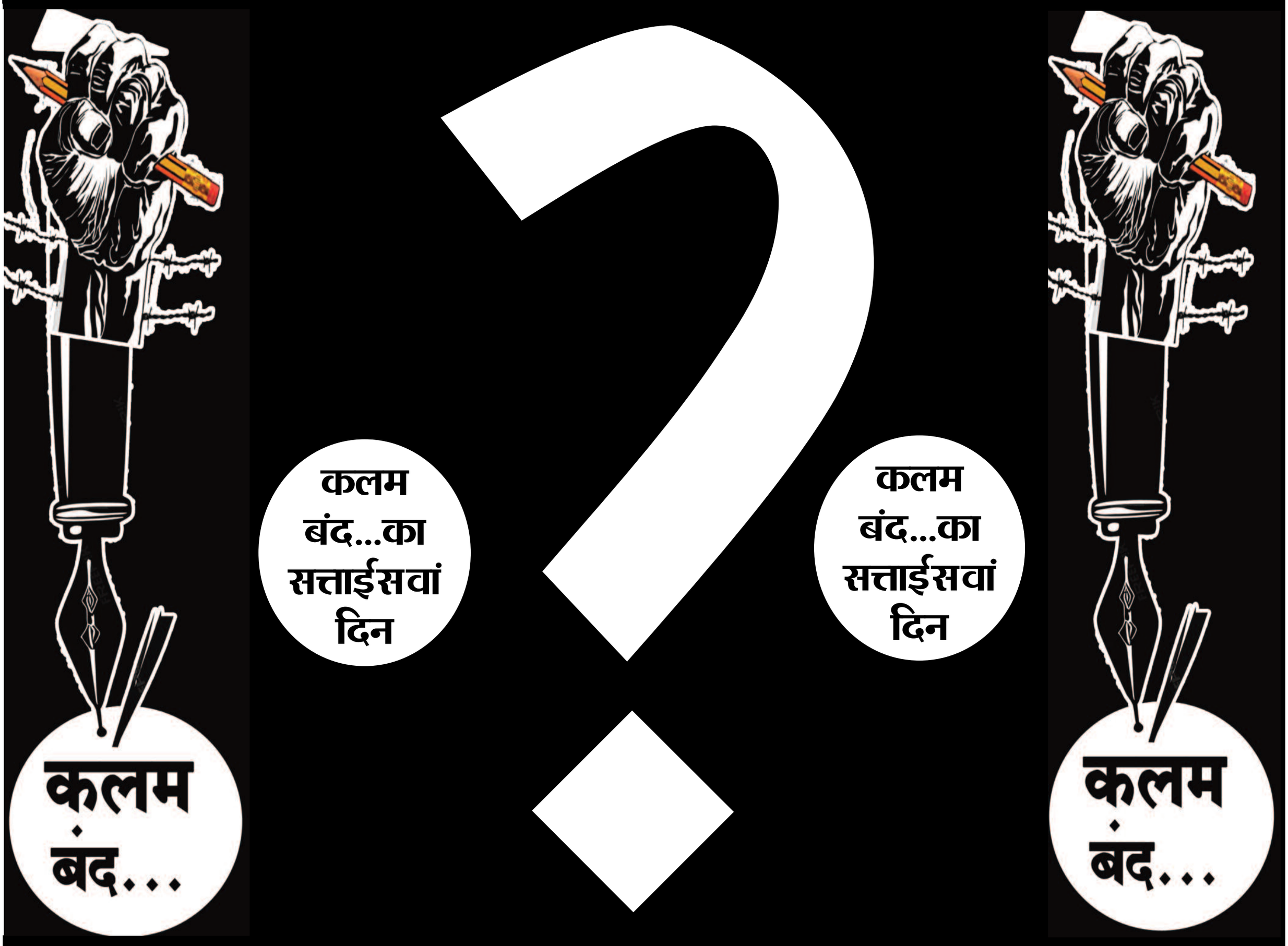

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,26 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

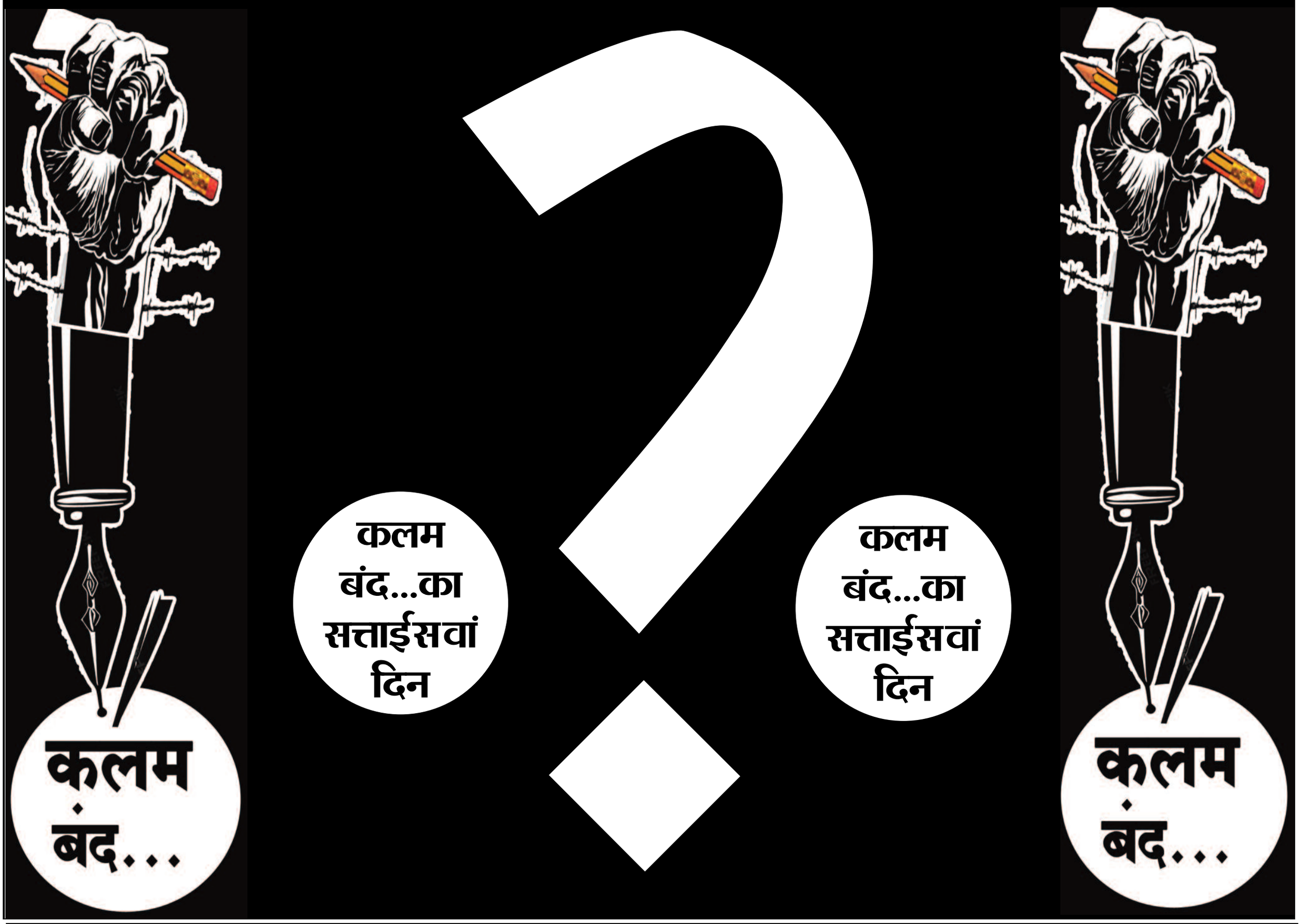

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 26 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

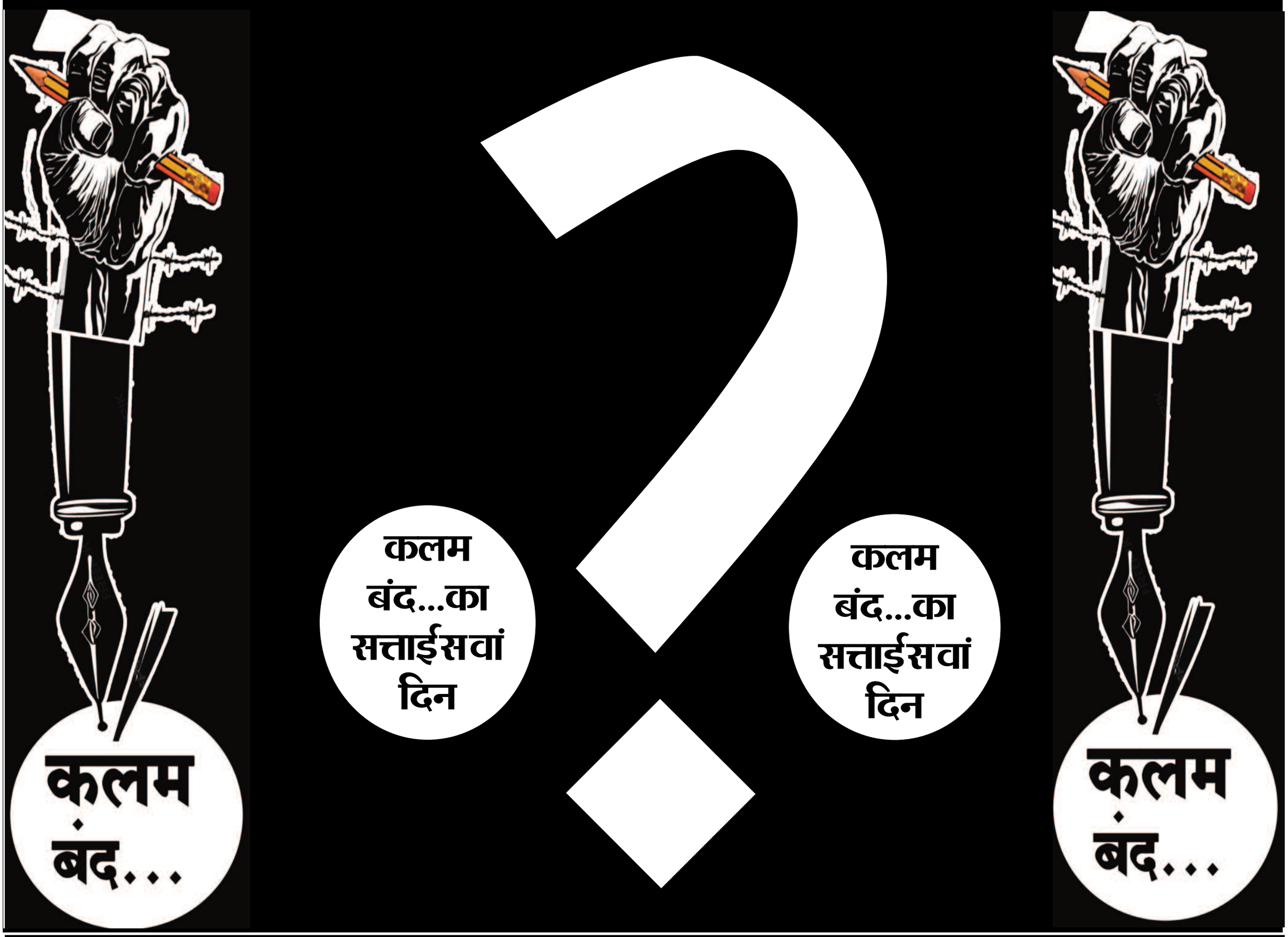

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

संक्षिप्त खेल समाचार

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत से किया निवेदन...

कहा हम अच्छे लोग हैं

करांची,26 जुलाई 2024। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन इस बार पाकिस्तान में किया जाना है। इसके लिए भारतीय टीम का वहां ट्रेवल करना अभी तक तो काफी मुश्किल नजर आ रहा है। बीसीसीआई और

पीसीबी के बीच इसे लेकर अभी तक कोई भी बात नहीं हुई है। पीसीबी ने भारत को पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने को लेकर कई बार प्रयास किया, लेकिन भारत ने एक भी बार अपने रुख को नहीं बदला। इसी बीच पाकिस्तान के एक ऑलराउंडर ने भारतीय टीम से रिक्वेस्ट की है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आए। पाकिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर शोएब मलिक ने भारतीय क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भाग लेने का निमंत्रण दिया है। मलिक का मानना है कि राजनीति को खेलों से अलग रखना चाहिए और उन्होंने इसी मुद्दे पर जोर देते हुए सुझाव दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी द्विपक्षीय मुद्दे को उनके क्रिकेट संबंधी कार्यक्रमों से अलग तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। मलिक ने क्रिकेट पाकिस्तान से कहा कि दोनों देशों के बीच जो भी मतभेद हैं, वह एक अलग मुद्दा है और इसे अलग-अलग हल किया जाना चाहिए। खेलों में राजनीति नहीं आनी चाहिए। पिछले साल पाकिस्तान की टीम भारत गई थी और अब भारतीय टीम के लिए भी यह एक अच्छा मौका है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पाकिस्तान में नहीं खेला है, इसलिए यह उनके लिए बहुत अच्छा होगा। हम बहुत अच्छे लोग हैं। हम बहुत मेहमाननवाज लोग हैं, इसलिए मुझे यकीन है कि भारतीय टीम को जरूर आना चाहिए।

पाकिस्तान में टीम इंडिया को खतरा

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2024। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर चल रहा मसला अभी तक सुलझ नहीं पाया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टूर्नामेंट के लिए

टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने के लिए तैयार नहीं है। इस मसले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। भज्जी ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अक्सर कुछ न कुछ होता रहता है। भज्जी के साथ-साथ कई क्रिकेटर्स इस पर प्रतिक्रिया दे चुके हैं। हरभजन सिंह ने बीसीसीआई के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, टीम इंडिया पाकिस्तान क्यों जाए? खिलाड़ियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं है। वहां हालात ऐसे हैं कि आए दिन कुछ न कुछ होता रहता है। मैं बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करता हूं।

ओलंपिक के लिए तैयार भारत की रिले रेस की टीम

पेरिस,26 जुलाई 2024। पेरिस में खेले जा रहे ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय एथलीट पूरी तरह से तैयार है। भारत की निगाहें इस बार ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतने पर होंगी। पिछले ओलंपिक में भारत ने कुल 7 मेडल जीते थे। जिसमें एक गोल्ड मेडल भी शामिल था। यह गोल्ड मेडल भारत ने ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में जीता था। भारत के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में यह मेडल जीता था। ऐसे में इस बार भारतीय फैंस ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में और भी मेडल की उम्मीद लगा रहे हैं। भारत का ट्रैक एंड फील्ड में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है, लेकिन इस बार भारत की रिले रेस की मेंस टीम के काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने हाल के समय में काफी शानदार प्रदर्शन भी किया है। रिले टीम का पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना एक बड़ी बात थी।

मेंस रिले में ये एथलीट शामिल

भारत की मेंस रिले टीम 4 × 400 मीटर रिले रेस में भाग ले रही है। इस इवेंट में कई दिग्गज देश हिस्सा लेंगे। जिसमें अमेरिका और जमैका जैसे होंगे। ट्रैक रेसिंग इवेंट में इन दोनों देशों का रिकॉर्ड काफी कमाल का रहा है। भारत की तरह से मुहम्मद अनस याहिया, मुहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोज जैकब इस इवेंट में भारत की तरफ से दौड़ लगाएंगे। आपको बता दें कि इन चारों के नाम एशियाई रिकॉर्ड भी दर्ज है।

एशियन रिकॉर्ड किया अपने नाम

भारतीय मेंस 4×400 मीटर रिले टीम ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सेमीफाइनल हीट में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने एशियाई रिकॉर्ड बनाया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारतीय चौकड़ी ने शानदार दौड़ लगाई थी और 2:59.05 का नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया था, जो जापान द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड से बेहतर था। उन्होंने यह रिकॉर्ड साल 2023 में बनाया था।

ऐसे मिला था पेरिस ओलंपिक का टिकट

भारतीय मेंस 4×400 मीटर रिले टीम ने वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरा स्थान हासिल करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। मुहम्मद अनस याहिया, मुहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोज जैकब की मेंस टीम ने 3:03.23 के सामूहिक समय के साथ दौड़ पूरी की और यूएसए (2:59.95) के बाद अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रही। दूसरे दौर में तीन हीट में से प्रत्येक में टॉप दो टीमों को ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन हासिल हुई थी।

बॉक्सिंग के लिए ड्रॉ का ऐलान

» निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन का किससे होगा मुकाबला

पेरिस,26 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 का आगाज हो चुका है। उद्घाटन के बाद 27 जुलाई से आगे के खेल भी शुरू हो जाएंगे। भारत के करीब 117 एथलीट इस बार के ओलंपिक में भाग ले रहे हैं। जिनसे पूरे भारत को पदक जीतने की आस है। भारत की तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस बीच भारतीय मुक्केबाजों के ड्रॉ का भी ऐलान कर दिया गया है, यानी भारतीय खिलाड़ी किसी विरोधी एथलीट से टक्कर लेंगे, इसका खुलासा हो गया है।

निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को मिली मुश्किल ड्रॉ

भारतीय मुक्केबाज निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को पेरिस 2024 ओलंपिक में अपने-अपने भार वर्ग में मुश्किल ड्रॉ का सामना करना पड़ेगा। निखत महिलाओं की 50 किग्रा मुक्केबाजी स्पर्धा के राउंड ऑफ 32 में जर्मनी की मैक्सी कैरिना क्लोएट्जर से भिड़ेंगी, लेकिन दो बार की विश्व चैंपियन का सामना पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की वू यू से हो सकता है, जो एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन हैं। पेरिस 2024 में महिलाओं के 50 किग्रा में शीर्ष वरीयता प्राप्त मुक्केबाज वू यू महिलाओं के 52 किग्रा वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन भी हैं। निखत महिलाओं के 50 किग्रा में विश्व चैंपियन हैं।

पहला मुकाबला जीतते ही कर सकती हैं क्वार्टर फाइनल में एंट्री

इस बीच निखत जरीन अगर चीनी मुक्केबाज को हराने में कामयाब होती हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनका सामना थाईलैंड की चुथमट रक्सट या उज्बेकिस्तान की सबीना बोबोकुलोवा से हो सकता है। फरवरी में स्ट्रैंडजा मेमोरियल फाइनल में निखत बोबोकुलोवा से हार गई थी, जहां उज्बेक मुक्केबाज ने सेमीफाइनल में वू यू को भी हराया था। चुथमट रक्सट ने पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के अपने सफर में निखत को सेमीफाइनल में हराया था।

लवलीना बोरगोहेन से भी पदक की उम्मीद

उधर टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन अपने अभियान की शुरुआत महिलाओं के 75 किग्रा में नॉर्वे की सुन्नीवा हॉफस्टैड के खिलाफ करेंगी और क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की ली कियान से हो सकता है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता कियान ने हांग्जो में एशियाई खेलों के महिलाओं के 75 किग्रा फाइनल में बोरगोहेन को हराया था। जैस्मीन लैम्बोरिया महिलाओं के 57 किग्रा के अपने शुरुआती दौर के मुकाबले में टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो से भिड़ेंगी। अगर भारतीय मुक्केबाज अगले दौर में पहुंच जाती है तो उसका मुकाबला फ्रांस की तीसरी वरीयता प्राप्त अमीना जिदानी से होगा, जो इस श्रेणी में मौजूदा यूरोपीय चैंपियन हैं।

अमित पंघाल और निशांत देव का किससे होगा मुकाबला

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार को राउंड ऑफ 32 में वियतनाम की वो थी किम अन्ह के खिलाफ खेलना है। इस बीच अमित पंघाल और निशांत देव क्रमशः पुरुषों के 51 किग्रा और 71 किग्रा के राउंड ऑफ 16 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। दोनों को शुरुआती दौर में बाई मिली है। टोक्यो 2020 ओलंपियन अमित पंघाल पेरिस में अपने शुरुआती मुकाबले में जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से भिड़ेंगे। चिन्येम्बा ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में भाग लिया था और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। निशांत देव पहले इक्वाडोर के जोस रोड्रिग्ज टेनोरियो से भिड़ेंगे।

पेरिस 2024 ओलंपिक मुक्केबाजी: भारतीय मुक्केबाजों के लिए ड्रा

महिला 50 किग्राः निखत जरीन बनाम मैक्सी कैरिना क्लोएट्जर (जर्मनी) - राउंड ऑफ 32
महिला 54 किग्राः प्रीति पवार बनाम वो थी किम अन्ह (विएतनाम) - राउंड ऑफ 32
महिला 57 किग्राः जैस्मीन लेम्बोरिया बनाम नेस्टी पेटेसियो (फिलीपींस) - राउंड ऑफ 32
महिला 75 किग्राः राउंड ऑफ 16: लवलीना बोरगोहेन बनाम सुन्नीवा हॉफस्टैड (नॉर्वे) - राउंड ऑफ 16
पुरुष 51 किग्राः राउंड ऑफ 16: अमित पंघाल बनाम पैट्रिक चिन्येम्बा (ज़ाम्बिया) - राउंड ऑफ 16
पुरुष 71 किग्राः राउंड ऑफ 16: निशांत देव बनाम जोस रोड्रिगेज टेनोरियो (ईसीयू) - राउंड ऑफ 16

पहले टी 20 में टीम इंडिया श्रीलंका से भिड़ने को तैयार

» ऐसी हो सकती है टीम इंडिया की प्लेइंग 11,

» सूर्या की कप्तानी में किसे मिलेगा मौका?

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2024। भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी 20 सीरीज की शुरुआत 27 जुलाई से हो रही है। इस सीरीज के लिए नए कप्तान के साथ टीम इंडिया पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में वेस्टइंडीज में टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा ने टी 20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। ऐसे में बीसीसीआई ने सूर्यकुमार यादव को टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया का नया कप्तान बनाया था। सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 कैसी होगी यह सबसे बड़ा सवाल है। सीरीज के पहले मुकाबले के लिए टीम इंडिया जमकर मेहनत कर रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि पहले मुकाबले के लिए टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11 कैसी हो सकती है।

ये होगी भारत की ओपनिंग जोड़ी!

श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया की ओपनिंग जोड़ी के रूप में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल मैदान पर उतर सकते हैं। वर्ल्ड कप के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज के दौरान भी इन्हीं दो खिलाड़ियों ने भारत के लिए ओपनिंग की थी। हालांकि उस दौरान पहले दो मैच में शुभमन के साथ अभिषेक शर्मा ओपन करने के लिए आए थे। उस वक्त तक जायसवाल जिम्बाब्वे नहीं पहुंचे थे। इसके बाद तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत जिम्मेदारियों को संभालेंगे। पंत ने टी 20 वर्ल्ड कप के दौरान भी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। जहां उन्होंने कई अहम मौकों पर टीम इंडिया के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। पंत बतौर विकेटकीपर भी खेलेंगे। पंत के बाद टीम इंडिया के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। सूर्या काफी शानदार फॉर्म में हैं।

वो पल जब रेखा ने जया बच्चन को लगा लिया था गले

दिग्गज एक्ट्रेस रेखा और जया बच्चन को एक ही फ्रेम में देखना हमेशा से ही दुर्लभ रहा है। हालांकि, ये असंभव बात संभव हो गई जब एक अवॉर्ड फंक्शन में अमिताभ बच्चन को फिल्म पीकू के लिए बेस्ट एक्टर का विनर घोषित किया गया। इसके तुरंत बाद रेखा, जया बच्चन को गले लगाने के लिए दौड़ीं। जैसे ही बिग बी के नाम की घोषणा की गई, जया और अमिताभ दोनों अपनी सीट से खड़े हो गए, जबकि अमिताभ अवॉर्ड लेने के लिए मंच की ओर बढ़े। रेखा कुछ दूरी पर बैठी थीं, वो जया की ओर दौड़ीं और उन्हें जोर से गले लगाया। इसके बाद दोनों ने साथ मिलकर देखा जब अमिताभ ने सम्मान से इसे लिया।फिल्ममेकर सुभाष घई ने बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड के लिए रणवीर सिंह के साथ अमिताभ बच्चन के नाम की घोषणा की। अवॉर्ड लेते समय दोनों को मंच पर गले मिलते देखा गया।

रेखा और अमिताभ बच्चन ने मुकद्दर का सिकंदर, मिस्टर नटवरलाल और गंगा की सौगंध सहित कई फिल्मों में एक साथ स्क्रीन शेयर किया है। ये तीनों यश चोपड़ा की फिल्म सिलसिला (1981) में एक साथ दिखाई दिए, जिसमें आखिरी बार बॉलीवुड की सबसे मशहूर जोड़ियों में से एक अमिताभ और रेखा ने स्क्रीन साझा किया था। रोमांटिक ड्रामा रिलीज होने के साथ ही फ्लॉप हो गई। इसकी कहानी को स्टार्स की असल लाइफ से जोड़ने की खबरों ने तब जोर पकड़ा था।

रेखा ना माना था अमिताभ से प्यार है

सिमी गरेवाल के साथ एक इंटरव्यू में, जब रेखा से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी अमिताभ बच्चन से प्यार हुआ था, तो एक्ट्रेस ने कहा, बिल्कुल। उन्होंने आगे बताया, ओह, यह एक मूर्खतापूर्ण प्रश्न है। मुझे साइन आउट क्यों किया जाना चाहिए? मैं क्या इनकार करूं? मुझे उनसे प्यार नहीं है? बेशक मुझे है। मैं उस इंसान के लिए ऐसा महसूस करती हूं। हालांकि, उसी इंटरव्यू में, उन्होंने यह भी साफ किया कि वे कभी रिश्ते में नहीं थे। उन्होंने कहा, उनके साथ कभी कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं रहा, यह सच है। कभी भी नहीं। विवादों और अटकलों में कोई सच्चाई नहीं थी।

सलमान खान ने अपने घर पर मनाया यूलिया वंतूर का बर्थडे

सलमान खान और उनके परिवार ने यूलिया वंतूर का जन्मदिन मनाया। सलमान के जीजा अतुल अग्निहोत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई फोटोज भी शेयर कीं। एक तस्वीर में अर्पिता खान, आयुष शर्मा, अलवीरा अग्निहोत्री और अरहान खान दिखाई दे रहे हैं। एक फोटो में, यूलिया को चेहरे पर मुस्कान और खुशी के साथ सलमान के कंधों पर झुकते हुए देखा जा सकता है, जबकि सभी लोग जश्न की रात को एंजॉय कर रहे हैं। सिंगर और संगीतकार हिमेश रेशमिया भी यूलिया वंतूर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए और इवेंट से तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज में उन्हें दोस्तों मीका सिंह, पलक मुच्छल, पलाश मुच्छल, शेखर रवजियानी, सोनाक्षी सिन्हा के पति जहीर इकबाल और आयुष शर्मा के साथ देखा जा सकता है। पार्टी की एक क्लिप में सलमान खान, हिमेश को किस करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया है, जिससे सोशल मीडिया पर प्यार भरे इमोटिकॉन्स की बाढ़ आ गई है। सिंगर मीका सिंह ने भी अपनी मस्ती भरी रात की कुछ झलकियां शेयर कीं। रोमानिया की सिंगर यूलिया वंतूर को अक्सर कथित बॉयफ्रेंड सलमान खान के साथ पार्टियों में देखा जाता है। उन्होंने कभी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वह त्योहारों और पार्टियों के दौरान सलमान और उनके परिवार के सदस्यों के साथ भी देखी जाती हैं।

यूलिया कहती हैं ये बात

इसके बावजूद, वह अक्सर इंटरव्यू में उनके बारे में बात करती हैं। 2022 के एक इंटरव्यू में यूलिया ने सलमान के साथ जुड़ने के फायदे और चुनौतियों पर चर्चा की। इसके अलावा, गुरु रंधावा के साथ उनका गाना मैं चला 2022 में रिलीज किया गया था, जिसमें वीडियो में सलमान एक्ट्रेस प्रज्ञा जयसवाल के साथ रोमांस करते नजर आए थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202407021700043
ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका ज्योत्सना राय पति सुधीर राय,निवासी ग्राम चठिरमा, तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम चठिरमा स्थित खसरा नंबर 350 रकबा 1.500हे. में से 1.000हे.(ढाई एकड़)भूमि निजी आवश्यकता की पूर्ति एवं बैंक ऋण चुकाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक विष्णु कुमार विश्वास आ0 कृष्ण पद विश्वास,निवासी ग्राम चठिरमा तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0) को रू0 19,60,000/-(उन्नीस लाख साठ हजार रूपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/08/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202407021700045
ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय मंडल आ0 अमल मंडल व अन्य 04,निवासी ग्राम चठिरमा, तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की ग्राम चठिरमा स्थित खसरा नंबर 335/1 रकबा 1.345 हे. में से 0.042 हे.भूमि निजी आवश्यकता की पूर्ति हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक सुदीप विश्वास आ0 सतीश विश्वास,निवासी ग्राम चठिरमा तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) को रू0 6,80,000/-(छः लाख अस्सी हजार रूपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/08/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202407021700044
ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र दास आ0 नागेन्द्र दास,निवासी ग्राम चठिरमा, तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम चठिरमा स्थित खसरा नंबर 357/2 रकबा 0.160 हे. में से 0.040 हे.भूमि निजी आवश्यकता की पूर्ति हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक हरी चन्द्र आ0 कार्तिक हालदार,निवासी ग्राम चठिरमा तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) को रू0 6,00,000/-(छः लाख रूपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/08/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

जियो सिनेमा में आया फिल्म दस जून की रात का ट्रेलर

तुषार कपूर की पनौती जिंदगी में तड़का हैं प्रियंका चाहर चौधरी,

जियो सिनेमा प्रीमियम ने अपनी आगामी कॉमेडी थ्रिलर सीरीज दस जून की रात का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें तुषार कपूर और प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल्स में हैं। रानीगंज शहर पर आधारित, यह सीरीज हंसी और कॉमेडी पेश करने का वादा करती है। दस जून की रात का प्रीमियर 4 अगस्त 2024 को होगा। एएलटी डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड में एकता कपूर की क्रिएटिविटी के साथ तबरेज खान ने इसे डायरेक्ट किया है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि पनौती भाग्येश के बारे में सब बातें करते हैं, एक ऐसा आदमी जिसकी बुरी किस्मत इतनी कुख्यात है कि रानीगंज के निवासी उसके साथ रास्ते पार करने के बजाय घर में रहना पसंद करते हैं। अपने पिता की मृत्यु के दुखद दिन पर जन्मे पनौती के दुर्भाग्य के कारण उनके पिता का सिंगल-स्क्रीन थिएटर बंद हो गया। पनौती का एकमात्र सपना थिएटर को फिर से खोलना और अपने पिता की विरासत को बहाल करना है। उसकी यात्रा उथल-पुथल वाले मोड़ों से भरी हुई है, जो उसे एक के बाद एक अपमानजनक संकट में डाल रही है। रंग-बिरंगे किरदारों और हंसी-मजाक के साथ, पनौती और उसके चचेरे भाई बट्टू की प्यार और किस्मत की खोज एक रोलरकोस्टर है जो दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोट-पोट कर देगा।

दस जून की रात में प्रियंका चाहर चौधरी

बिग बॉस से फेमस हुई प्रियंका चाहर चौधरी और तुषार कपूर ने पहली बार साथ काम किया है, और फैंस उनकी नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी के लिए एक्साइटेड हैं। सीरीज के बाकी कलाकार शान ग्रोवर और बिजौ थांगजाम हैं। एकता कपूर ने 4 जनवरी को एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन के साथ शूटिंग शुरू करने की घोषणा की, जिसमें लिखा था, %दस जून की रात! यह शो शुरू होता है! जय माता दी।

दस जून की रात कहां देखें

दस जून की रात का प्रीमियर 4 अगस्त को जियो सिनेमा पर होगा। सीरीज को सचिन मोहिते ने जसवंद एंटरटेनमेंट बैनर के तहत बनाया है और सह-निर्माता एकता कपूर हैं।

खुला पत्र

मंत्री के तथाकथित भतीजे की डिग्री फर्जी... ओएसडी की दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी...फिर भी स्वास्थ्य मंत्री दिखा रहे अखबार को अपना मंत्री होने का पॉवर ?

» क्या स्वास्थ्य मंत्री तत्काल अपने तथाकथित भतीजे व ओएसडी पर करवाएंगे कार्यवाही या फिर अखबार के शासकीय विज्ञापन रुकवाने भर की है ताकत ?

» क्या फर्जी और विवादित लोग ही पसंद है प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को ?

» दिव्यांग संघ ने फिर बतलाया...फर्जी है स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र...

» विधानसभा सत्र में स्वास्थ्य मंत्री की हो रही खिंचाई...विपक्ष सहित खुद के विधायक भी उठा रहे स्वास्थ्य विभाग को लेकर आवाज...

» स्वास्थ्य मंत्री के लिए बढ़ती जा रही मुसीबत...उनके इर्द-गिर्द के लोग ही स्वास्थ्य मंत्री के लिए बने मुसीबत...

» सच दिखाने वाले अखबार को स्वास्थ्य मंत्री ने माना अपना दुश्मन...वहीं उनके हितैषी बनने वाले ही बने उनकी मुसीबत की वजह...

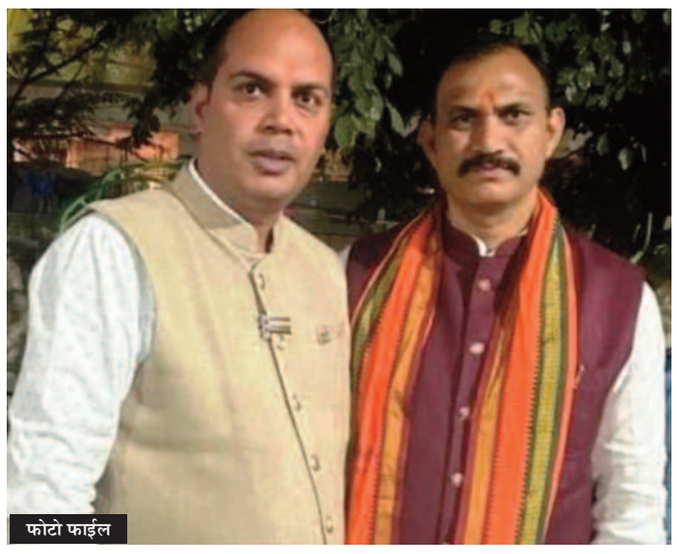

» अपने इर्द-गिर्द वालों के ही चक्रव्यूह में फंसे स्वास्थ्य मंत्री... हो रही प्रदेश में किरकिरी....?

» स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की डिग्री फर्जी निकली:संजय

» शिकायत पर विश्वविद्यालय से वेरिफिकेशन के बाद हुई पुष्टि...क्या अब भी भतीजे को प्रभारी डीपीएम बनाकर रखेंगे स्वास्थ्य मंत्री...?

» अपनी गलती छुपाने शिकायतकर्ता एवं अखबार के विरूद्ध भी प्रभारी डीपीएम कर रहा था शिकायत...

» उधर दिव्यांग संघ ने भी सूची जारी की...स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का प्रमाण-पत्र बतलाया फर्जी...

फोटो फाईल

फोटो फाईल

-रवि सिंह-

अम्बिकापुर/रायपुर,26 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज दबाने का कुत्सित प्रयास करने वाले छत्तीसगढ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के तथाकथित भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के शैक्षणिक योग्यता की डिग्री फर्जी साबित हुई है। बैकुंठपुर के सक्रिय नागरिक एवं पार्षद संजय जायसवाल ने उक्ताशय की शिकायत सूरजपुर पुलिस से की थी जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने मामले पर संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय से डिग्री का वेरिफिकेशन कराया जिसके बाद मामला उजागर हुआ है। इसके बाद पार्षद संजय जायसवाल ने स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने व नौकरी से हटाये जाने की मांग की है। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा प्रिंस जायसवाल पूर्व में कोरिया जिले में प्रभारी डीपीएम था । उसके द्वारा एनएचएम की खरीदी में काफी भर्राशाही की गई। तमाम शिकायतों के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने ईनाम स्वरूप भतीजे को कोरिया से बड़ा जिला सूरजपुर में पदस्थ कर दिया था लेकिन अब भतीजे की डिग्री ही फर्जी साबित हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या स्वास्थ्य मंत्री अपने भतीजे को पद से हटाएंगे या फिर किरकिरी कराते रहेंगे। वहीं एक अन्य मामले में एक बार फिर मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकार के फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र को लेकर बात उठ रही है,इस बार दिव्यांग संघ ने खुद प्रेस वार्ता कर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे शासकीय सेवकों की पूरी लिस्ट सौंपी है इस लिस्ट में मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का नाम भी शामिल है । ऐसे अधिकारी को अपने साथ लेकर चल रहे स्वास्थ्य मंत्री के विभाग से जुड़ी कमियों का खबर प्रकाशन करने पर उनके द्वारा अखबार को दबाने का प्रयास किया जाता है जो कि अति निंदनीय है।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री लगातार सुर्खियों में...हाल ही में उन्हें विधानसभा में बैकुंठपुर विधायक ने निरुत्तर कर दिया

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री लगातार सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें विधानसभा में बैकुंठपुर विधायक ने निरुत्तर कर दिया वहीं उन्हे अन्य भाजपा विधायकों में से धरम लाल कौशिक सहित अजय चंद्राकर ने भी प्रश्नों से परेशान किया। स्वास्थ्य मंत्री के अब तक के कार्यकाल में प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग कितना बेहतर काम कर रहा है इसकी बानगी केवल बैकुंठपुर विधायक ने ही विधानसभा में सामने रख दी जहां उन्होंने बैकुंठपुर जिला चिकित्सालय की व्यथा को सामने रखा और कोरिया जिले में जारी मेडिकल व्यवसाय को लेकर कई प्रश्न स्वास्थ्य मंत्री के सामने उछाल दिए जिसका जवाब देने की बजाए स्वास्थ्य मंत्री बैकुंठपुर विधायक की ही तारीफ और उन्हें अपनी मीठी बातों भावुक बातों के प्रभाव में लेने के प्रयास में ज्यादा नजर आए। वहीं कोरिया जिले का मुख्यालय बैकुंठपुर जहां की व्यथा बता बैकुंठपुर विधायक रहे थे जबकि वह जिला चिकित्सालय ही फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री के जिले के लोगों के लिए भी जिला चिकित्सालय की सुविधा प्रदान करता है और वहीं का हाल-बेहाल है। कहने का मतलब खुद स्वास्थ्य मंत्री के जिले में जब स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट है तो अन्य जिलों का हाल समझा जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री के लिए प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बनी चुनौती तो वहीं उनके इर्द गिर्द वाले अधिकारी भी उनकी मट्टी पलीद करने में लगे हुए ?

स्वास्थ्य मंत्री के लिए जहां प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चुनौती बनी हुई है जिसे वह सम्हाल नहीं पा रहे हैं वहीं उनके इर्द-गिर्द वाले अधिकारी भी उनकी मट्टी पलीद करने में ही लगे हुए हैं। जिनमें एक उनके भतीजे बनकर स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार करते चले आ रहे हैं जबकि उनके पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के भ्रष्टाचार की ही जांच बाकी है। वहीं उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की नौकरी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी हुई है यह आरोप पुनः दिव्यांग संघ ने लगाया है और उन्हें पद से ही पृथक कर कानूनी कार्यवाही की मांग शासन से की है। स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे की भी डिग्री अहर्ता की फर्जी है अब यह आरोप भी जोर पकड़ता जा रहा जिसकी एक प्रति फर्जी होने की पुष्टि के साथ सोशल मीडिया में दौड़ रही है जिसको लेकर स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम खुद शिकायत कर रहे हैं और फर्जी डिग्री मामले में अपना पक्ष रख रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था का ख्याल रखना भी चाहें तो पहले उन्हें अपने भतीजे और विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का ख्याल रखना पड़ रहा है जिनका यदि वह साथ छोड़ते हैं वह शायद कार्यवाही की जद में आ जाएंगे जिन्हें अब स्वास्थ्य मंत्री का ही सहारा है। स्वास्थ्य मंत्री देखा जाए तो अपने इर्द-गिर्द वाले अधिकारियों, भतीजे सहित अपने सलाहकारों से कारण बुरी तरह भंवरजाल में फंस चुके हैं जहां से वह चाहकर भी नहीं निकल पा रहे हैं न ही वह प्रदेश के लोगों का हित स्वास्थ्य हित सोच समझ पा रहे हैं क्योंकि उन्हें फिलहाल अपने उन लोगों की ज्यादा फिक्र है जिन्हे वह अपने इर्द-गिर्द रखे हुए हैं जिन्हे वह कहीं न कहीं बचाने में लगे हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी फर्जी दिव्यांग प्रमाण -पत्र के सहारे नौकरी कर रहे हैं और इसकी शिकायत जब दिव्यांग संघ कर रहा है फिर भी स्वास्थ्य मंत्री चुप हैं,मौन हैं उस अधिकारी की पैरवी में हैं जबकि उन्हे सबसे पहले उसे खुद से दूर करना चाहिए क्योंकि वह अधिकारी स्वास्थ्य मंत्री के यहां इसलिए संलग्न है क्योंकि जब स्वास्थ्य प्रमाण पत्र दिव्यांग प्रमाण-पत्र की जांच हो स्वास्थ्य मंत्री के प्रभाव का इस्तेमाल कर बच निकलना आसान हो वहीं उनका तथाकथित भतीजा जिसकी डिग्री ही फर्जी है भी स्वास्थ्य मंत्री के ही भरोसे है और इसीलिए डिग्री फर्जी होने के बावजूद जैसा की आरोप है।

पार्षद संजय की मांग पर पुलिस ने कराई जांच

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर प्रिंस जायसवाल के विरूद्ध पार्षद संजय जायसवाल ने मई 2024 में लिखित शिकायत किया था जिसमें कहा गया था कि काफी शिकायतों के बाद प्रिंस जायसवाल को सूरजपुर पदस्थ किया गया है,प्रिंस जायसवाल के द्वारा मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ का कोर्स जिस विश्वविद्यालय से कराया गया है उससे संपर्क करने पर बतलाया गया कि 2012 से 2014 के बीच फर्जी डिग्री का वितरण किया गया है, और रिजल्ट में हस्ताक्षरित रजिस्टार एसके गुप्ता वर्तमान में फर्जी डिग्री प्रकरण में जेल में हैं। पार्षद की शिकायत के बाद सूरजपुर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच विश्वविद्यालय से कराई जिसके बाद जांच में पाया गया कि प्रिंस जायसवाल की डिग्री फर्जी है और विश्वविद्यालय से जारी नहीं की गई है।

पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर एफआईआर की मांग

विश्वविद्यालय द्वारा वेरिफिकेशन में डिग्री फर्जी होने की जानकारी सामने आने के बाद पार्षद संजय जायसवाल ने स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम के खिलाफ एफआईआर करने की मांग सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक से की है। उन्होने महानिरीक्षक को सौंपे ज्ञापन में लिखा है कि उनकी शिकायत पर सूरजपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा 14 जुलाई 2024 को साबरमती विश्वविद्यालय अहमदाबाद गुजरात को डिग्री की सत्यता को लेकर ईमेल एवं स्पीड पोस्ट किया गया था। विश्वविद्यालय द्वारा 16 जुलाई को ही पुलिस अधीक्षक को डिग्री के फर्जी और कूटरचित होने की जानकारी दी गई,पत्र में बतलाया गया कि प्रिंस जायसवाल के द्वारा उनके यहां से डिग्री हासिल नहीं की गई है और इसका कोई रिकार्ड भी विवि के पास उपलब्ध नहीं है। पार्षद ने लिखा है कि विश्वविद्यालय के पत्र के बाद साफ हो गया है कि प्रिंस जायसवाल फर्जी डिग्री को सेल्फ अटेस्ट कर डीपीएम की भर्ती का आवेदन किया था जो कि गैर कानूनी है। पत्र में लिखा गया है कि फिलहाल प्रिंस जायसवाल प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के रूप में संविदा के रूप में कार्यरत है और इसमे भी फर्जी डिग्री का प्रयोग किया गया है। पार्षद ने मामले की निष्पक्ष जांच कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

खबर आते ही सफाई पेश करने लगा स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा

पार्षद संजय जायसवाल के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम के विरूद्ध शिकायत की खबर सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद प्रभारी डीपीएम द्वारा तत्काल एक पत्र सूरजपुर पुलिस को देकर सोशल मीडिया में वायरल किया जाने लगा,उसके द्वारा खुद को पाक साफ बतलाते हुए उल्टा शिकायतकर्ता के खिलाफ ही कार्यवाही की मांग की जाने लगी।

गलत लोगों को बचाने स्वास्थ्य मंत्री और सरकार एक समाचार पत्र के ही विरुद्ध कार्यवाही करते हुए,जबकि उन्हे गलत लोगों के विरुद्ध करनी चाहिए कार्यवाही

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री काफी सुर्खियों में हैं और वह प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ करने के मामले में सुर्खियों में नहीं हैं बल्कि वह अपने तथाकथित भतीजे सहित अपने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को लेकर सुर्खियों में हैं जिनमे से उनके भतीजे से ऊपर फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी करने का आरोप है भ्रष्टाचार का आरोप है वहीं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के ऊपर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी बनने का आरोप है। दोनों के लिए स्वास्थ्य मंत्री ढाल बने हुए हैं वहीं गलत लोगों के विरुद्ध समाचार प्रकाशित करने के कारण स्वास्थ्य मंत्री और सरकार एक अखबार के पीछे पड़े हुए हैं जो की सच का प्रकाशन कर रहा है। कुल मिलाकर भ्रष्ट लोगों के लिए या आरोपित लोगो के लिए सरकार और स्वास्थ्य मंत्री ढाल बनने का काम कर रहे हैं और इसके लिए वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को भी कुचलने तैयार हैं।

दिव्यांग संघ ने जारी की सूची...फर्जी है स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का प्रमाण-पत्र...

एक ओर स्वास्थ्य मंत्री के तथाकथित भतीजे प्रभारी डीपीएम की डिग्री के फर्जी होने की पुष्टि विवि द्वारा की गई है तो वहीं दूसरी तरफ छत्तीसगढ दिव्यांग संघ के द्वारा गत दिनों रायपुर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया है कि प्रदेश के 21 अफसर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं। दिव्यांग संघ के द्वारा सूची में 7 डिप्टी कलेक्टर, 3 लेखा अधिकारी,3 नायब तहसीलदार, 2 सहकारिता निरीक्षक,3 वेटनरी डॉक्टर का नाम दिया गया है जो कि फर्जी दिव्यांग बन कर नौकरी कर रहे हैं। संघ ने सरकार को चेतावनी दी है कि 15 दिन के भीतर इस मामले पर कार्यवाही नही की गई तो 21 अगस्त को प्रदेश के दिव्यांग रायपुर में प्रदर्शन करेंगे। दिव्यांग संघ की सूची में तीसरे क्रम पर संजय कुमार मरकाम का नाम अंकित है जो कि 2017 बैच में दिव्यांग कोटे से डिप्टी कलेक्टर बने थे। दिव्यांग संघ द्वारा जारी सूची में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का नाम शामिल है और इसके बाद भी हवा हवाई घोषणा करने में माहिर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अब तक उस बारे मे ना तो संज्ञान लिया गया और ना ही विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी को हटाया गया जो कि आश्चर्यजनक है। ज्ञात हो कि प्रमाण बनाने का काम स्वास्थ्य विभाग द्वारा ही किया जाता है,प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के साथ ही फर्जी प्रमाण -पत्र के आधार पर नौकरी हासिल करने वाले अधिकारी कार्यरत हैं इससे प्रतीत होता है कि प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग का हाल कितना बेहाल है और इसमें कितनी भर्राशाही चल रही है।

SABARMATI UNIVERSITY
(Formerly CALORX TEACHERS' UNIVERSITY)
(A dual mode University : Regular / Distance)
info@sabarmatiuniversity.edu.in || 02717 - 242328 / 29 || www.sabarmatiuniversity.edu.in
Sabarmati University, Greenwood, Nr Vaishnodevi Circle, Ognaj, Ahmedabad, Gujarat - 382481

पंजीयन क्र. 2249891 छत्तीसगढ़ शासन
छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ
E-mail : cgdivyangsangh@gmail.com
मो. 9131166916
प्रदेश सचिव - विद्या भूषण साहू मो. 8602207210

प्रति,
श्री मान पुलिस महानिरीक्षक महोदय
सरगुजा संभाग अंबिकापुर
विषय- जिला- सूरजपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ प्रभारी डीपीएम डॉ प्रिंस जायसवाल के विरुद्ध एफआईआर कर कार्यवाही बाबत।
महोदय

यह कि फिलहाल डॉ प्रिंस जायसवाल के द्वारा वर्तमान में सूरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग में प्रभारी डीपीएम के पद पर संविदा नौकरी कर रहा है। जिसमें भी इसी डिग्री प्रयुक्त की गई है जो कि एक गंभीर अपराध है।
अतः आपसे अनुरोध है कि मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए डॉ प्रिंस जायसवाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा.... के तहत एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की जाए।
अध्यक्ष गांधी नागरिक एकता मंच
पार्षद वार्ड क्र. 20 जुनापारा
बैकुंठपुर, जिला- कोरिया (छ.ग.)
मो. 6261808656

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)